

necessary budgetary provisions respectively upon such Review and to take formal decision to finalise an Agreement required for the implementation of the Joint Co-operation Project. Subject to such modifications as may be found necessary as a result of the review, the gist of the present Record of Discussions is understood to serve as the basis on which the two Governments will finalise an Agreement for the implementation of the Project.

#### Provision of Additional Newsprint

\*256. SHRI SHRI CHAND GOYAL : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether Government are considering to give additional Newsprint to daily papers; and

(b) if so, the criteria for allocation ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL) : (a) and (b). Government's decision to grant an additional quota of newsprint to daily newspapers for the second half of 1969-70 (October 1969 to March 1970) for increases in circulation was announced on January 24, 1970. The increases have been allowed on the following basis :—

Newspapers with—

(i) circulation up to 15,000 copies	—10%
(ii) circulation above 15,000 copies and up to 50,000 copies	—7½%
(iii) circulation above 50,000 copies and up to 1,00,000 copies	—5%
(iv) circulation above 1,00,000 copies	—2½%

रूसी ट्रेक्टरों की बिक्री में चोर-बाजारी

\*257. श्री यंश नारायण सिंह :

श्री रामस्वरूप बिद्यार्थी :

श्री कंदर लाल गुप्त :

श्री रामसिंह अग्रवाल :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ गैस-सरकारी अभिकरण रूस से आयात किए गये ट्रेक्टरों की चोर-बाजारी कर रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो इसे रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सह-कार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भगमा साहिब शिन्डे) : (क) और (ख). ऐसी कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। फिर भी रूसी ट्रेक्टरों की सम्भावित चोर-बाजारी को समाप्त करने की दृष्टि से, सरकार राज्यकीय कृषि-उद्योग निगमों के माध्यम से काफी बड़ी संख्या में आयातित ट्रेक्टरों को उपलब्ध कर रही है और प्रत्येक देशी उत्पादन को बढ़ा रही है। सप्लाई की स्थिति को सुगम करने के लिए, विदेशों में रहने वाले भारतीय सम्बन्धियों से उपहार के रूप में ट्रेक्टरों के आयात की भी अनुमति दे दी गई है।

रासायनिक उर्वरकों की बिक्री की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना

\*258. श्री जित कुमार शास्त्री : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय उर्वरक निगम से रासायनिक उर्वरकों की बिक्री की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर ले लिया है; और

(ख) यदि हां, तो रासायनिक उर्वरक प्रयोग करने के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए बिक्री की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए क्या उपाय करने का विचार है ?

लाघ, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहब शिन्डे) : (क) जी हूँ, निगम द्वारा निमित रासायनिक उर्वरकों के लिए ।

(ख) अधिक विक्रेता विशेषकर खण्ड स्तर पर नियुक्त करने तथा कृषि स्नातकों को प्राथमिकता देने के लिए भी प्रयत्न किए जा रहे हैं । विक्रेताओं को कृषि उर्वरकों के प्रयोग में प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे भी किसानों को सलाह दे सकें । उर्वरकों के विवरण के लिए सहकारी एजेंटियों का भी उपयोग किया जा रहा है । महत्वपूर्ण स्थानों पर समीकरण बोधार्थों की व्यवस्था की गई है । जहाँ आवश्यक है, ऋण सम्बन्धी सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं और ऋण लेने के लिए विक्रेताओं का भी बैंकों से सम्पर्क रखा गया है । सचन प्रदर्शन योजनाएँ भी प्रारम्भ की गई हैं । पत्रक वितरित किए जा रहे हैं और श्रव्य-दृश्य प्रचार किया जा रहा है । निःशुल्क मुद्रा जाँच सुविधाएँ भी उपलब्ध की जा रही हैं ।

आकाशवाणी के कार्य संचालन की जाँच के लिए संसदीय समिति

\*259. श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या सूचना तथा प्रसारण और संचारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी के समाचार बुलेटिनों तथा अन्य प्रसारणों के बारे में आकाशवाणी के पक्षपातपूर्ण रवैये में कोई सुधार हुआ है ;

(ख) क्या यह सच है कि आकाशवाणी के पक्षपातपूर्ण रवैये के सम्बन्ध में देश में व्यापक प्रतिक्रिया हुई है ; और

(ग) क्या भविष्य में आकाशवाणी के रवैये को सन्तुलित बनाये रखने के लिए संसद की एक उच्चस्तरीय समिति बनाने का सरकार का विचार है ?

सूचना तथा प्रसारण मन्त्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री इ० कु० गुजराल) : (क) और (ख) आकाशवाणी के प्रसारणों में कोई पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं है । समाचार बुलेटिन में समाचारों को मुख्य रूप से उनके सामाचारिक महत्व के आधार पर शामिल किया जाता है तथा आकाशवाणी अधिक से अधिक निष्पक्ष रहने का प्रयत्न करती है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता । तथापि, इस मन्त्रालय से सम्बद्ध संसद सदस्यों को सलाहकार समिति ने इस बारे में विस्तार से विचार किया है ।

Grievances of Indian Journalists' Federation

\*260. SHRI MADHU LIMAYE : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to the Resolutions passed by the Indian Journalists' Federation in November, 1969;

(b) if so, the reaction of Government to the demands and proposals made in these resolutions;

(c) whether any enquiry has been conducted about the grievances of the journalists against whom disciplinary proceedings have been taken by the 'Samachar Bharati'; and

(d) if so, the results of this enquiry ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL) : (a) The resolution adopted by the National Council of the Indian Federation of Working Journalists has been received.

(b) to (d). Following main demands and proposals were made in the resolution :—

(i) Victimization of journalists and other employees;